शपथ विधि समारोह संपन्न - श्री दिगम्बर जैन गोलालारीय समाज (रजि.) ललितपुर

राकेश कुमार जैन डब्लू, ललितपुर । नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की शपथ ग्रहण का कार्यक्रम 23 दिसम्बर, रविवार को संस्था के नवीन भवन 'गोलालारीय भवन', आजादपुरा में संपन्न हुआ । कार्यक्रम में सभी उपस्थित समाज श्रेष्ठियों ने वीर वंदना का पाठ किया और समाज श्रेष्ठी श्री सेठ प्रदीपकुमार प्रसन्नकुमार नौहरकलां व डॉ. अरुणा जैन ने भगवान आदिनाथ के चित्र का अनावरण श्री सुरेन्द्रकुमार देवरान व श्री मुन्नालाल एड. (सिलगन) ने संयुक्त रुप से किया । आमंत्रित अतिथियों के सम्मान पश्चात वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये । इनमें श्री सुभाषजी जल निगम, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री प्रकाशचंदजी एड., वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता श्री अजय जैन साइकिल, श्री महेशचंदजी पीएनबी, मुन्नालाल एडवोकेट ने प्रमुख रुप से संबोधित किया और नवनिर्वाचित समिति को समाज सेवा के गुर बताये । अनिल जैन नारियल को अध्यक्ष, सुनील कैलवारा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुनील गुंदेर कनिष्ठ उपाध्यक्ष, राकेश जैन डब्लू को मंत्री, अंकित एडवोकेट को सहमंत्री, संदेश जैन एडवोकेट को कार्यालय मंत्री, संजय पवैया व संजय सिलगन को ऑडिटर, डगराना, आलोक राख सुनील नौहरकलां, मुकेश मनीष वंडा व सौरभ देवरान को सदस्य पद की शपथ दिलाई गयी ।

वर्तमान कमेटी द्वारा नियमित कार्यकलापों में मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति, निर्धन व असहाय महिला पुरुषों को पेंशन आदि आर्थिक मदद देने व युवक युवतियों के संबंध कराने में मदद करने के अलावा गोलालारीय भवन के लिये भूखंड क्रय करना और उस पर एक हॉल निर्मित करवाना विशेष उपलब्धि रही। कमेटी द्वारा ललितपुर जिले को समाहित कर मोबाइल पत्रिका का प्रकाशन भी एक विशेष उपलब्धि रही। नवनिर्वाचित कमेटी इन सभी कार्यो को आगे बढ़ाती हुई आर्थिक क्षेत्र में जरुरतमंद साधर्मी जनों को आर्थिक रुप से सक्षम करने हेतु हर संभव कार्य करेगी तथा समाज को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराने को प्रयासरत है कि हम एकजुट हो एक दूसरे की मदद करते हुए सामाजिक व आर्थिक उत्थान कर सके । साथ ही हमारा प्रयास होगा कि हम सरकारी योजना व उनसे मिलने वाले लाभ को जरुरतमंद व योग्य व्यक्ति तक पहुंचाने व उनका लाभ दिलाने में मदद करे ताकि उन योजनाओं का लाभ मिलना तय हो सके । हमारा प्रयास होगा कि हम साधर्मी जनों को शिक्षण प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें आर्थिक रुप से सक्षम कर पाये । इसके लिए हम समाज व श्रेष्ठीजनों के सहयोग के आकांक्षी है ।

ललितपुर में समाज नवनिर्मित भवन का लोकार्पण संपन्न

राकेश कुमार जैन डब्लू, ललितपुर । श्री दि. जैन गोलालारीय समाज (रजि.) ललितपुर के नवनिर्मित भवन में 24 घंटे का श्री भक्तामरजी पाठ के शुभारंभ में श्री मुन्नालालजी, कुलदीपजी, राकेशजी, कमलकुमारजी व संजय पवैयाजी ने यंत्रजी के समक्ष अभिषेक, शांतिधारा, पूजा अर्चना की । दूसरे दिन सुबह 8 बजे तक भगवान आदिनाथ की भक्ति आराधना समाज के स्त्री पुरुषों व बच्चों के द्वारा की गयी । श्री भक्तामरजी पाठ के विधिवत समापन व हवन पश्चात नवनिर्मित भवन का आगम सम्मत लोकार्पण किया गया । दोप. 2 बजे से साधारण सभा की बैठक शुरु हुई जिसमें संस्था को नवीन कार्यकारिणी के चुनाव कराने का निर्णय लिया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष श्री मुन्नालाल एडवोकेट ने की, मुख्य अतिथियों के रुप में वरिष्ठ समाज श्रेष्ठी व समिति संरक्षकगण उपस्थित रहे । सेठ प्रसन्नकुमार नौहरकलां परिवार ने भगवान आदिनाथ के चित्र का अनावरण किया तथा दीप प्रज्जवलन अजय कुमार साइकिल ने किया । उपस्थित जन समूह ने वीर वंदना का पाठ किया । सर्वश्री अरविंद जमादार, अरविंद बरौदा, डॉ. हुकुमचंद पवैया व महेश जैन मालथौन ने क्षमा के महत्व पर प्रकाश डालने के साथ संस्था का मार्गदर्शन भी किया । अंत में सभी का आभार व्यक्त करते हुए सभी महानुभावों से भोजन ग्रहण करने का निवेदन किया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. हुकुमचंद जी पवैया द्वारा किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविन्द्र मोदी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील गुंदेरा, आडीटर राकेश डब्लू, अंकित एड. उपमंत्री धर्मेश्वर जमौरिया, कोषाध्यक्ष कुलदीप नौहरकला, कार्यालय मंत्री कमल बडेरा, सदस्यगण मुकेश नौहरकला, मनीष राख, अभिषेक एडवोकेट, संजय पवैया, देवेन्द्र विरधा, सुनील कैलवारा, अभिषेक बिलौवा तथा हिमांशु देवरान के साथ काशीराम बिलौआ, सतेन्द्र छोटे, साकेत चुनमुन, आलोक राख, संजीव जमादार, सुरेन्द्र देवरान, विजय देवरान, कमल नौहरकलां, मनोज सिलगन, वरुण नयाखेड़ा, शैलेष पिन्टू, गौरव देवरान, रोहन की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

अखिल भारतीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद की कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

डॉ. सुनील जैन 'संचय', रतलाम । परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य मुनिश्री प्रमाणसागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में अखिल भारतवर्षीय दि. जैन शास्त्री परिषद की कार्यकारिणी समिति की बैठक रतलाम के लोकेन्द्र भवन में विविध प्रस्तावों एवं अनेक जिज्ञासा समाधान के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई । डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत की अध्यक्षता एवं पं. चन्द्रप्रकाश जी चंदर के मंगलाचरण पश्चात बैठक प्रारंभ हुई । जिसमें महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए - आगामी ग्रीष्मकालीन विद्वत शिक्षण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मुनिश्री प्रमाणसागरजी महाराज के ससंघ सान्निध्य में किया जाये, जिससे मुनिश्री द्वारा मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्राप्त हो सके ।

वर्तमान में छायांकित मुनि आर्यिका आदि की प्रतिमा का निर्माण नहीं होना चाहिए । गुरु मंदिर और आर्यिका मंदिर की परंपरा आगमोक्त नहीं है ।

वर्तमान काल में दुष्प्रभाव से ग्रस्त विभिन्न साधुओं संस्थाओं द्वारा आगम में अवर्णित अथवा प्राचीन परंपरा के विरुद्ध स्थायी-लाभ पूजादि के प्राप्त करने हेतु पूर्वत: प्रचलित ध्येय वाक्यों, लोगो, नामों आदि को परिवर्तित कर कपोल-कल्पित नई-नई पंक्तियां, नए नाम दिये जा रहे हैं, ऐसे आगम विरोधी नामों और लोगों को शास्त्री परिषद बिल्कुल भी समर्थन नहीं करती है एवं संबंधित साधुगणों, संस्थाओं, विद्वानों से अनुरोध करती है कि वे प्राचीन परंपराओं, नामों, ध्येय वाक्यों के संरक्षण में योगदान दें ।

शास्त्री परिषद का सदस्य शास्त्री या स्वाध्यायी, चारों अनुयोगों का ज्ञाता होना चाहिए । अत: सदस्यता प्रदान करते समय ध्यान रखा जाए। शास्त्री परिषद प्राचीनकाल से ग्रंथों का प्रकाशन करती रही है । वर्तमान में भी सैद्धांतिक ग्रंथों का प्रकाशन कराएगी ।

इस दौरान आचार्य प्रवर वसुबिन्द - अपरनाम जयसेन विरचित ब्र. पवन भैयाजी - मुनि श्री निर्दोषसागरजी महाराज, ब्र. कमल भैयाजी - मुनि श्री निर्लोभ सागरजी महाराज द्वारा अनुवादित ब्र. जयकुमारजी निशांत भैयाजी टीकमगढ़, पं. विनोदजी रजवांस द्वारा

संपादित एवं प्रतिष्ठाचार्य गुलाबचंद्र पुष्प स्मृति समिति द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठा पाठ नामक ग्रंथ का विमोचन किया गया । ग्रंथ के प्रकाशन की सभी ने अनुमोदना और प्रशंसा की । इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस जैन बड़ौत, महामंत्री ब्र. जयकुमार निशांत, विनोद रजवांस, डॉ. धर्मचंद्र कुरुक्षेत्र, प्राचार्य अरुण व्याबर, डॉ. ब्र. धर्मेन्द्र दिल्ली, पं. जयंत सीकर, डॉ. कमलेश जैन जयपुर, पं. चंद्रप्रकाश चंदर आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

विवाह समारोह में महिला संगीत नहीं होगा, शादी में व्यंजन भी कम बनेंगे

भोपाल शहर के 60 मंदिरों की बैठक में निर्णय, समाज के बाहर विवाह पर नहीं होगे सामाजिक समारोह । खाने की बर्बादी और फिजूल खर्च रोकने जैन समाज अब शादी समारोह में ज्यादा व्यंजन नहीं बनाएगा । समाज के संगठन ने विवाह समारोह में सिर्फ 21 प्रकार के व्यंजन परोसने और महिला संगीत पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है । लालघाटी स्थित जैन मंदिर में हुई बैठक में शहर के 60 मंदिरों के समिति अध्यक्ष मौजूद थे । भोपाल पंचायत कमेटी अध्यक्ष प्रमोद हिमांशु ने कहा कि सामाजिक रीति रिवाजों की मधुरता को बनाए रखने यह निर्णय लिया गया है । जो पैसा बचे, उसे समाजसेवा में लगाएं - बैठक में कहा गया कि विवाह समारोह में समाज के इस नियम का पालन कर हम लोगों को सलाह दे रहे है कि इससे जो पैसा बचता है, उसे समाजसेवा में लगाएं । पांच लोग ही देंगे सामूहिक श्रद्धांजलि - बैठक में मृत्यु भोज और उठावने को लेकर भी चर्चा की गई । समाज के प्रवक्ता अंशुल जैन ने कहा, तेरहवीं के सामूहिक मृत्युभोज को भी बंद किया गया है । यह पूरी तरह से फिजूलखर्च है । हालांकि लोग अपने परिवार और रिश्तेदारों को तेरहवीं का भोजन करा सकते है । यही नहीं उठावने के दौरान श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भी परिवर्तन किया गया है । अब उठावने के दौरान सिर्फ पांच व्यक्तियों द्वारा ही सामूहिक श्रद्धांजलि दी जाएगी । संकलन - राजेश जैन

हार्दिक बधाई

एम.एस.सी. टेक एप्लाइड जियोफीजिक्स की छात्रा **अवनि जैन** को आईआईटी धनबाद के 39वें दीक्षांत समारोह में 3 गोल्ड मेडल प्रदान किये गये । आप वर्तमान में मुंबई की सलमवर्जर कंपनी में कार्यरत है । आप मंडला के दवा व्यवसायी श्री अनिल-अर्चना जैन की सुपुत्री है ।

14 वर्षीय **नित्यता जैन** ने जयपुर में संपन्न नेशनल यूमन चेस चैम्पियनशिप में 4 घंटे तक चले मैराथन मुकाबले के छटे राउंड में अंडर 12 गर्ल्स वर्ल्ड चेस चैम्पियन तमिलनाडु की सविताश्री को पराजित किया । इस प्रतियोगिता में नित्यता जैन ने मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया ।

मा. चिदेश निशांत-रेशू जैन को भोपाल में संपन्न जीएम चेस प्रतियोगिता 18 में 1000 से 1200 रेटिंग ग्रुप में प्रथम पुरस्कार के रुप में 15000 रु. की राशि आयोजकों द्वारा भेंट की गयी ।

आपके परिवार में किसी भी सदस्य ने सामाजिक, धार्मिक, खेलकूद व अन्य क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त की हो तो हमें प्रकाशन हेतु भेज सकते है।

महिला सम्मेलन में डॉ. ममता सम्मानित

सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर गंजबासौदा भारतीय महिला जैन मिलन मुख्य शाखा की संयोजिका ममता जैन को दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मान से सम्मानित किया गया । जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋतुराज जैन, महामंत्री नरेश जैन, राष्ट्रीय संयोजिका सुविना जैन व क्षेत्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे । डॉ. ममता जैन के निर्देशन में महिला जैन मिलन द्वारा निर्धन बच्चों को कॉपी किताब वितरण, सर्दी में ठिठुरते गरीबों को कंबल वितरण, बीमारों के इलाज जैसी सेवा गतिविधियों के साथ साथ पौधारोपण कर पर्यावरण के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किये गए है ।

पत्र संपादक के नाम ... 'प्रयास' रिश्तों को जोड़ने का द्वितीय अंक के माध्यम से मेरी सुपुत्री निकिता जैन का विवाह इसी अंक में प्रकाशित श्री नवीन जैन के साथ 18 मार्च 18 को संपन्न हुआ । प्रयास पत्रिका के माध्यम से ही हमें इस संबंध की जानकारी मिली । यह पत्रिका समाज के लिए काफी उपयोगी है । इसका प्रकाशन प्रतिवर्ष होना चाहिए । - कमलकिशोर जैन, भिलाई

समाज की महिलाओं व युवा पीढ़ी से अनुरोध है कि वे अपनी कवितायें, कहानी, लेख हमें अपने चित्र सहित प्रकाशन हेतु भेज सकते है । योग्य रचना को आगामी अंक में प्रकशित किया जावेगा ।